

SAMPLE QUESTION PAPER - 1
Hindi Core (302)
Class XII

निर्धारित समय: 3 hours

Maximum Marks: 80

सामान्य निर्देश:

1. निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :
2. यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।
3. खंड क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
4. खंड ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
5. खंड ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
6. तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
7. यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क (अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

[10]

राष्ट्र केवल जमीन का टुकड़ा ही नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत होती है, जो हमे अपने पूर्वजों से परंपरा के रूप में प्राप्त होती है, जिसमें हम बड़े होते हैं, शिक्षा पाते हैं और साँस लेते हैं—हमारा अपना राष्ट्र कहलाता है और उसकी पराधीनता व्यक्ति की परतंत्रता की पहली सीढ़ी होती है। ऐसे ही स्वतंत्र राष्ट्र की सीमाओं में जन्म लेने वाले व्यक्ति का धर्म, जाति, भाषा या संप्रदाय कुछ भी हो, आपस में स्नेह होना स्वाभाविक है। राष्ट्र के लिए जीना और काम करना, उसकी स्वतंत्रता तथा विकास के लिए काम करने की भावना, राष्ट्रीयता कहलाती है।

जब व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति से धर्म, जाति, कुल आदि के आधार पर व्यवहार करता है, तो उसकी दृष्टि संकुचित हो जाती है। राष्ट्रीयता की अनिवार्य शर्त है—देश को प्राथमिकता, भले ही हमें 'स्व' को मिटाना पड़े। महात्मा गाँधी, तिलक, सुभाषचंद्र बोस आदि के कार्यों से पता चलता है कि राष्ट्रीयता की भावना के कारण उन्हें अनगिनत कष्ट उठाने पड़े, किंतु वे अपने निश्चय में अटल रहे। व्यक्ति को निजी अस्तित्व कायम रखने के लिए पारस्परिक सभी सीमाओं की बाधाओं को भुलाकर कार्य करना चाहिए, तभी उसकी नीतियाँ—रीतियाँ राष्ट्रीय कही जा सकती हैं।

जब-जब भारत में फूट पड़ी, तब-तब विदेशियों ने शासन किया। चाहे जातिगत भेदभाव हो या भाषागत तीसरा व्यक्ति उससे लाभ उठाने का अवश्य यत्न करेगा। आज देश में अनेक प्रकार के आंदोलन चल रहे हैं।

कहीं भाषा को लेकर संघर्ष हो रहा है, तो कहीं धर्म या क्षेत्र के नाम पर लोगों को निकाला जा रहा है, जिसका परिणाम हमारे सामने है। आदमी अपने अहं में सिमटता जा रहा है। फलस्वरूप राष्ट्रीय बोध का प्रभाव परिलक्षित हो रहा है।

- (i) राष्ट्रीयता क्या कहलाती है? (1)

क) धर्म के प्रति निष्ठा ख) जाति के प्रति निष्ठा

ग) राष्ट्र के लिए जीना और काम करना घ) क्षेत्र के प्रति निष्ठा

- (ii) राष्ट्रीयता की अनिवार्य शर्त क्या है? (1)

क) धर्म को प्राथमिकता देना ख) देश को प्राथमिकता देना

ग) जाति को प्राथमिकता देना घ) भाषा को प्राथमिकता देना

- (iii) महात्मा गाँधी, तिलक और सुभाषचंद्र बोस ने क्या प्रदर्शित किया ? (1)

क) जातिगत भेदभाव ख) व्यक्तिगत स्वतंत्रता

ग) राष्ट्रीयता की भावना घ) भाषागत संघर्ष

- (iv) व्यक्ति की परतंत्रता की पहली सीढ़ी क्या होती है? (1)

- (v) राष्ट्रीयता की भावना कैसे विकसित की जा सकती है? (2)

- (vi) भारत में फूट पड़ने पर क्या होता है? (2)

- (vii) आज के समय में देश में कौन-कौन से संघर्ष चल रहे हैं? (2)

2. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

[8]

जिनकी भुजाओं की शिराएँ फड़की ही नहीं,
जिनके लहू में नहीं वेग है अनल का शिव का पादोदक है पेय जिनका रहा,
चखा ही जिन्होंने नहीं स्वाद हलाहल का
जिनके हृदय में कभी आग सुलगी ही नहीं
ठेस लगते ही अहंकार नहीं छलका।
जिनको सहारा नहीं भुज के प्रताप का है,
बैठते भरोसा किए वे ही आत्मबल का।
उसकी क्षमा, सहिष्णुता का है महत्त्व ही क्या
करना ही आता नहीं जिनको प्रहार है?
करुणा, क्षमा को छोड़ और क्या उपाय उसे
ले न सकता जो बैरियों से प्रतिकार है?
सहता प्रहार कोई विवश, कदर्य जीव
जिसकी नसों में नहीं पौरुष की धार है करुणा,
क्षमा हैं क्लीव जाति के कलंक घोर,
क्षमता क्षमा की शूरवीरों का सिंगार है।

- (i) 'जिनके हृदय में कभी आग सुलगी ही नहीं' का क्या अर्थ है? (1)
 क) जिनके हृदय में वीरता और उत्साह की कमी है
 ख) जिनके हृदय में केवल प्रेम और करुणा है
 ग) जिनके हृदय में क्रोध और आक्रोश है
 घ) जिनके हृदय में किसी भी भावना की कमी है
- (ii) कविता के अनुसार, 'करुणा, क्षमा को छोड़ और क्या उपाय उसे' से कवि क्या कह रहे हैं? (1)
 क) करुणा और क्षमा की महत्त्वता
 ख) प्रतिकार के बिना समाधान
 ग) शौर्य और शक्ति के बिना जीवन
 घ) शांति और संतुलन की खोज है?
- (iii) कविता में 'करुणा, क्षमा हैं क्लीव जाति के कलंक घोर' से कवि का क्या दृष्टिकोण? (1)
 क) करुणा और क्षमा वीरता के गुण हैं
 ख) करुणा और क्षमा क्लीवता का प्रतीक हैं
 ग) करुणा और क्षमा समाज के लिए आवश्यक हैं
 घ) करुणा और क्षमा धर्म और नैतिकता के प्रतीक हैं
- (iv) कविता में 'शिव का पादोदक' से क्या संकेत मिलता है? (1)
- (v) कविता के अनुसार, क्यों करुणा और क्षमा को 'क्लीव जाति के कलंक' के रूप में देखा गया है? (2)
- (vi) कविता के अनुसार, 'सहता प्रहार कोई विवश, कदर्य जीव' का क्या तात्पर्य है? (2)

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए। [6]
- (i) महानगरों में पनपती मॉल संस्कृति विषय पर निबंध लिखिए। [6]
- (ii) सांप्रदायिकता की समस्या विषय पर निबंध लिखिए। [6]
- (iii) मेरी प्रिय भाषा विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। [6]

- | | | |
|-------|--|-----|
| 4. | निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (2 x 4 = 8) | [8] |
| (i) | प्रेस-विज्ञप्ति किसे कहते हैं? | [2] |
| (ii) | इंटरनेट का बढ़ता चलन विषय पर एक आलेख तैयार कीजिए। | [2] |
| (iii) | मतदान केंद्र पर लगा लोकतंत्र का मेला विषय पर एक फीचर तैयार कीजिए। | [2] |
| (iv) | नाटक के विभिन्न तत्वों पर प्रकाश डालिए। | [2] |
| 5. | निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये: (4 x 2 = 8) | [8] |
| (i) | विशेष लेखन में डेस्क की क्या भूमिका होती है? | [4] |
| (ii) | समाचार लेखन की प्रक्रिया में उल्टा पिरामिड सिद्धांत क्या है? | [4] |
| (iii) | समाचार लेखन की सबसे महत्वपूर्ण शैली कौन-सी है? इसके सभी चरणों की जानकारी रख, देते हुए इस शैली को स्पष्ट कीजिए। | [4] |

खंड- ग (आरोह भाग - 2 एवं वितान भाग-2 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: [5]

बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झँक रहे होंगे
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है।
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है।
मुझसे मिलने को कौन विकल?
मैं होऊँ किसके हित चंचल ?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है दिन जल्दी-जल्दी ढलता है।

(i) बच्चे नीड़ से किसलिए झँक रहे होंगे?
क) बाहर घूमने के कारण ख) प्रकृति का आनंद लेने के कारण
ग) भूखा होने के कारण घ) माता-पिता की प्रतीक्षा के कारण

(ii) चिड़िया अपने बच्चों के लिए चिंतित है, यह कैसे स्पष्ट होता है?
क) बहुत दूर तक उड़ने से ख) चिड़िया की उड़ान की गति से
ग) चिड़िया के मंद गति से उड़ने से घ) चिड़िया द्वारा बच्चों को अकेला छोड़ने से

(iii) प्रस्तुत काव्यांश में कवि किससे प्रभावित होता है?
क) अपनी प्रिय से ख) चिड़िया के बच्चों से
ग) प्रकृति की अनुपम महिमा से घ) चिड़िया के परों की चंचल गति से

(iv) कवि के पैरों की गति को कौन-सा भाव शिथिल कर देता है?
क) बच्चों की व्याकुलता ख) कवि से मिलने को किसी का व्याकुल न होना
ग) चिड़िया की तीव्र उड़ान घ) समय का तीव्रगति से व्यतीत होना

(v) दिन जल्दी-जल्दी ढलता है पंक्ति के माध्यम से किसके महत्त्व को दर्शाया गया है?
क) बच्चे के ख) कवि के
ग) समय के घ) चिड़िया के

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: [6]

(i) कवि ने खेत की तुलना कागज से क्यों की है? छोटा मेरा खेत कविता के आधार पर लिखिए। [3]
(ii) खेती न किसान को छंद के आधार पर बताइए कि तुलसीदास ने अपने समाज के लोगों की जीविका विहीनता का चित्रण कैसे किया है। [3]
(iii) प्रतापनारायण मिश्र का निबंध बात और नागार्जुन की कविता बातें ढूँढ़ कर पढ़ें। [3]

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: [4]

(i) बच्चों के झुंड में कवि आलोक धन्वा को क्या आकर्षक लगता है? [2]
(ii) कैमरे में बंद अपाहिज कविता में कुछ पंक्तियाँ कोष्ठकों में रखी गई हैं— आपकी समझ से इसका क्या औचित्य है? [2]
(iii) बादल राग कविता में रूपक अलंकार का प्रयोग कहाँ-कहाँ हुआ है? संबंधित वाक्यांश, को छाँटकर लिखिए। [2]

9. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

[5]

इस प्रकार हम देखते हैं कि श्रम विभाजन की दृष्टि से भी जाति-प्रथा गंभीर दोषों से युक्त है। जाति-प्रथा का श्रम विभाजन मनुष्य की इच्छा पर निर्भर नहीं रहता। मनुष्य की व्यक्तिगत भावना तथा व्यक्तिगत रुचि का इसमें कोई स्थान अथवा महत्त्व नहीं रहता। 'पूर्व लेख' ही इसका आधार है। इस आधार पर हमें यह स्वीकार करना पड़ेगा कि आज के उद्योगों में गरीबी और उत्पीड़न इतनी बड़ी समस्या नहीं जितनी यह कि बहुत से लोग 'निर्धारित कार्य को 'अरुचि' के साथ केवल विवशतावश करते हैं। ऐसी स्थिति स्वभावतः मनुष्य को दुर्भावना से प्रस्त रहकर टालू काम करने और कम काम करने के लिए प्रेरित करती है। ऐसी स्थिति में जहाँ काम करने वालों का न दिल लगता हो न दिमाग, कोई कुशलता कैसे प्राप्त की जा सकती है। अतः यह निर्विवाद रूप से सिद्ध हो जाता है कि आर्थिक पहलू से भी जाति-प्रथा हानिकारक प्रथा है, क्योंकि यह मनुष्य की स्वाभाविक प्रेरणारुचि व आत्म-शक्ति को दबाकर उन्हें अस्वाभाविक नियमों में जकड़ कर निष्क्रिय बना देती है। (बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर)

(i) श्रम विभाजन की दृष्टि से भी जाति-प्रथा किससे युक्त है?

क) सरल दोषों से

ख) दुःखद दोषों से

ग) सुखद परिणामों से

घ) गंभीर दोषों से

(ii) जाति-प्रथा का श्रम विभाजन किस पर निर्भर नहीं रहता?

क) मनुष्य की स्वेच्छा पर

ख) मनुष्य की गलती पर

ग) मनुष्य की समझदारी पर

घ) मनुष्य की शिक्षा पर

(iii) श्रम विभाजन पर मनुष्य की किस भावना का कोई महत्त्व नहीं रहता?

क) सामाजिक भावना

ख) राजनीतिक भावना

ग) भेदभावपूर्ण भावना

घ) व्यक्तिगत भावना

(iv) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A): यह निर्विवाद रूप से सिद्ध हो जाता है कि आर्थिक पहलू से भी जाति-प्रथा हानिकारक प्रथा है।**कारण (R):** क्योंकि यह मनुष्य की स्वाभाविक प्रेरणारुचि व आत्म-शक्ति को दबाकर उन्हें अस्वाभाविक नियमों में जकड़ कर निष्क्रिय बना देती है।

क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(v) गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –

i. जाति-प्रथा का श्रम विभाजन मनुष्य की स्वेच्छा पर निर्भर नहीं रहता।

ii. आर्थिक रूप से जाति प्रथा एक हानिकारक प्रथा है।

iii. श्रम विभाजन की दृष्टि से भी जाति-प्रथा गंभीर दोषों से युक्त है। उपरिलिखित कथनों में से कौन सही हैं?

क) सभी विकल्प सही हैं

ख) केवल i

ग) केवल ii

घ) केवल iii

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये:

[6]

(i) दंगल में विजयी होने के पश्चात् लुट्टन सिंह की जीवन शैली में क्या परिवर्तन आ गया था?

[3]

(ii) भक्तिन की तुलना हनुमान जी से करने के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

[3]

(iii) शिरीष के फूल पाठ में लेखक ने शिरीष, अवधूत और गांधी जी को एक ही श्रेणी में क्यों रखा है? पाठ के अनुसार इस समानता का आधार स्पष्ट कीजिए। [3]

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये: [4]

- (i) अपने सामान की बिक्री को बढ़ाने के लिए आज किन-किन तरीकों का प्रयोग किया जा रहा है? उदाहरण सहित उनका संक्षिप्त परिचय दीजिए। आप स्वयं किस तकनीक या तौर-तरीके का प्रयोग करना चाहेंगे जिससे बिक्री भी अच्छी हो और उपभोक्ता गुमराह भी न हो। [2]
- (ii) काले मेघा पानी दे के आधार पर जीजी की दृष्टि में त्याग और दान को परिभाषित कीजिए। [2]
- (iii) मेरी कल्पना का आदर्श समाज के आधार पर बताइए कि लोकतंत्र का वास्तविक स्वरूप किसे कहा गया है। [2]

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये: [10]

- (i) यशोधर बाबू अपने रोल मॉडल किशनदा से क्यों प्रभावित हैं? सिल्वर वैडिंग कहानी के आधार पर लिखिए। [10]
- (ii) स्वयं कविता रच लेने का आत्मविश्वास लेखक आनंद यादव के मन में कैसे पैदा हुआ? [10]
- (iii) कैसे कहा जा सकता है सिंधु सभ्यता आडंबर विहीन सभ्यता थी? उदाहरण सहित अतीत में दबे पाँव के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [10]

***** End *****

For Solution
Scan
the code

